

Галичья гора,
Морозова гора,
Воргольские
скалы,
Воронов камень
урочища
Плющань и
Быкова шея.

**Охрана природы.
Красная книга Липецкой
области.**





Липецкая область располагается в лесостепной зоне. Для этой зоны характерно чередование лесной растительности и степной.

Растительность области насчитывает около 1200 видов, в том числе 40 видов деревьев и кустарников.

Красная книга Липецкой области

Красная книга – это не просто книга, а официальный документ, учрежденный в целях выявления и охраны редких и находящихся под угрозой исчезновения видов растений, грибов, лишайников и животных.

Красные книги бывают различного уровня — международные, национальные и региональные.

Красная книга Липецкой области в 2 томах. 1 том - посвящен растениям, грибам и лишайникам. 2 том – животным.



Том 1. Растения



- В Красную книгу занесены объекты растительного мира, находящиеся под угрозой исчезновения или состояние которых внушает серьезные опасения за их дальнейшую судьбу.
- Согласно закону «Об охране окружающей природной среды», добывание и продажа редких видов растений, равно как и нарушение среды их обитания, запрещены.
- Работа с объектами, включёнными в региональную Красную книгу, предполагает разработку конкретных мероприятий по каждому виду для сохранения его в Липецкой области.

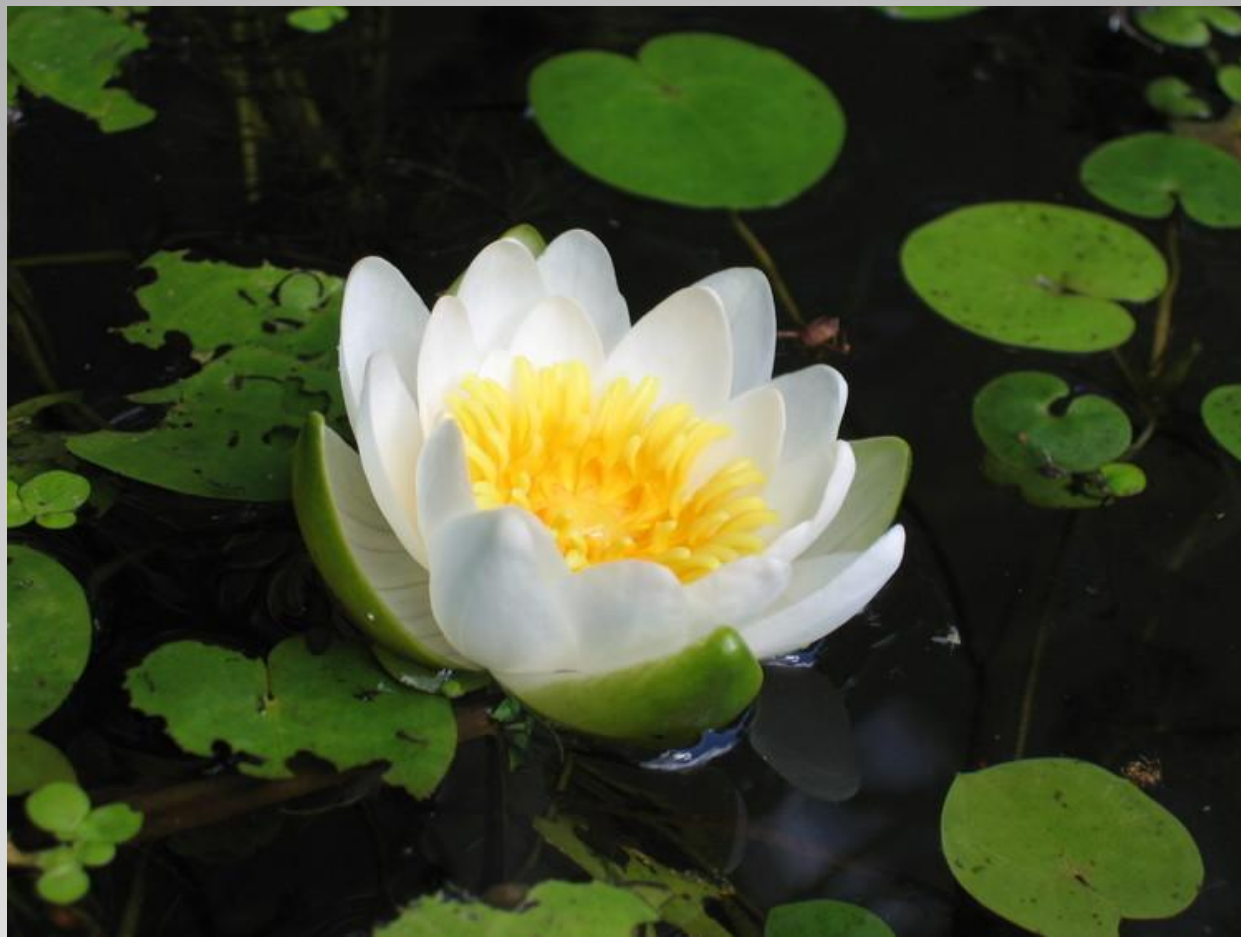
Том 2. Животные



В Красную книгу Липецкой области занесено 196 видов животных.

| <i>Класс</i> | <i>Липецк</i> | <i>Липецкий район</i> |
|---------------------------|---------------|-----------------------|
| <i>Млекопитающие</i> | 18 видов | 2 вида |
| <i>Птицы</i> | 85 видов | 35 видов |
| <i>Пресмыкающиеся</i> | 3 вида | 1 вид |
| <i>Земноводные</i> | 3 вида | 0 видов |
| <i>Круглоротые и рыбы</i> | 11 видов | 0 видов |
| <i>Насекомые</i> | 73 вида | 37 видов |





Кувшинка



КОЛОКОЛЬЧИК



ЛАНДЫШ МАЙСКИЙ



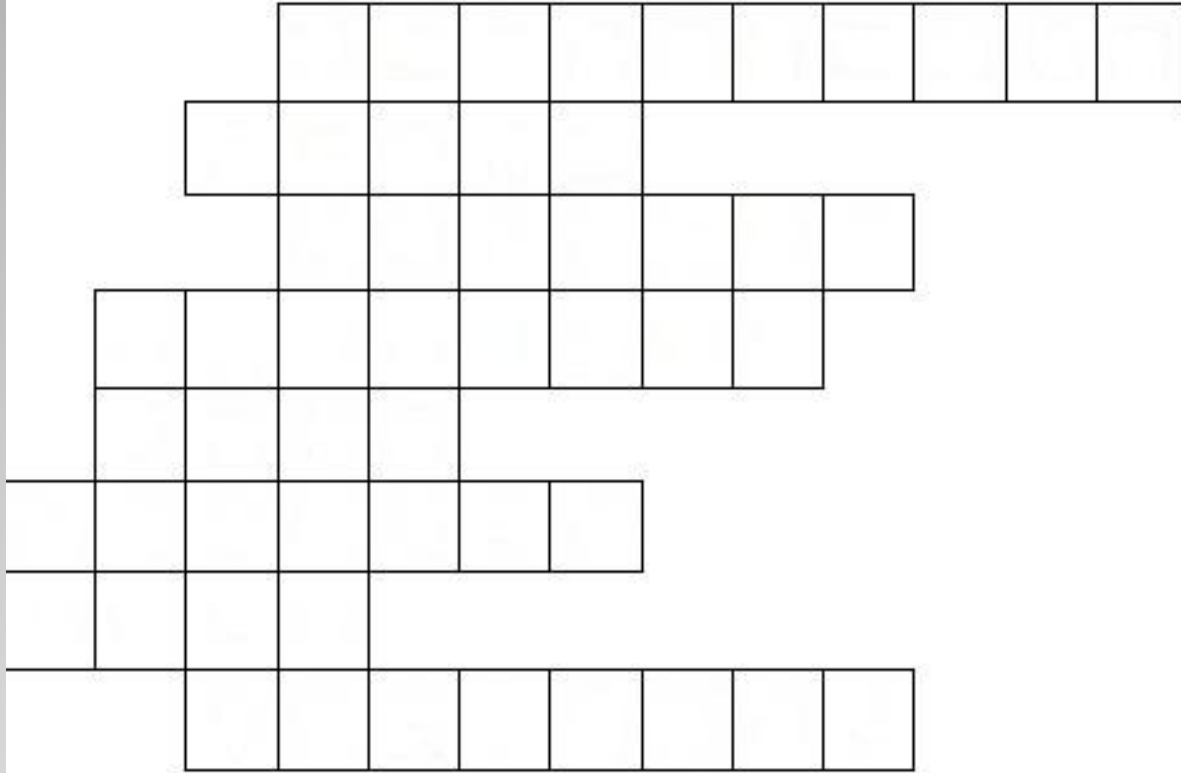


**« Я ведь , друзья
мои, пишу о
природе, сам же
только о людях
думаю . Мы хозяева
нашей природы ».**

М. М. Пришвин

Отношение человека к природе







| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | П | О | Д | С | Н | Е | Ж | Н | И | К |
| Б | О | Б | Р | Ы | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |





| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | П | О | Д | С | Н | Е | Ж | Н | И | К |
| Б | О | Б | Р | Ы | | | | | | | |
| | | М | У | Р | А | В | Е | Й | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |





| | | | | | | | | | | | |
|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | П | О | Д | С | Н | Е | Ж | Н | И | К |
| | Б | О | Б | Р | Ы | | | | | | |
| | | М | У | Р | А | В | Е | Й | | | |
| | К | Р | О | К | О | Д | И | Л | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |





| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | П | О | Д | С | Н | Е | Ж | Н | И | К |
| | Б | О | Б | Р | Ы | | | | | | |
| | | М | У | Р | А | В | Е | Й | | | |
| К | Р | О | К | О | Д | И | Л | | | | |
| Т | И | Г | Р | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |





| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | П | О | Д | С | Н | Е | Ж | Н | И | К |
| | Б | О | Б | Р | Ы | | | | | | |
| | | М | У | Р | А | В | Е | Й | | | |
| | К | Р | О | К | О | Д | И | Л | | | |
| | Т | И | Г | Р | | | | | | | |
| П | Е | Л | И | К | А | Н | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |





| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | П | О | Д | С | Н | Е | Ж | Н | И | К |
| | Б | О | Б | Р | Ы | | | | | | |
| | | М | У | Р | А | В | Е | Й | | | |
| | К | Р | О | К | О | Д | И | Л | | | |
| | Т | И | Г | Р | | | | | | | |
| П | Е | Л | И | К | А | Н | | | | | |
| А | И | С | Т | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |





| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | П | О | Д | С | Н | Е | Ж | Н | И | К |
| | Б | О | Б | Р | Ы | | | | | | |
| | | М | У | Р | А | В | Е | Й | | | |
| К | Р | О | К | О | Д | И | Л | | | | |
| Т | И | Г | Р | | | | | | | | |
| П | Е | Л | И | К | А | Н | | | | | |
| А | И | С | Т | | | | | | | | |
| | | Ч | Е | Р | Е | П | А | Х | А | | |



Береги природу, человек!



БЕРЕГИТЕ ЛЕС!

Будь природе другом





Берегите эти земли , эти воды,
Даже малую былиночку любя,
Берегите всех зверей внутри природы,
Убивайте лишь зверей внутри себя!